रिपोर्ट | सतत विकास सूचकांक में भारत 193 देशों में 109वें स्थान पर, पर्यावरण- बेहतर स्वास्थ्य और लैंगिक समानता में चुनौतियां बरकरार

सतत विकास का लक्ष्य हासिल करने की राह पर भारत

सिंगापुर, एजेंसी। भारत गरीबी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आर्थिक विकास, ऊर्जा जैसे सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के ट्रैक पर है। संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक सतत विकास रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है।

हालांकि पर्यावरण, सभी के लिए स्वास्थ्य, लैंगिक समानता जैसे लक्ष्यों को हासिल करने में चुनौतियां बरकरार हैं। इन लक्ष्यों में प्रगति काफी धीमी है या स्थिर है।

सतत विकास सूचकांक में भारत 193 देशों में 109वें स्थान पर है। भारत का स्कोर 64 फीसदी है।

64

स्कोर रहा भारत का सूचकांक में, पिछले साल की अपेक्षा इस बार बेहतर प्रदर्शन किया

यूरोपीय देश शीर्ष पर, ब्रिक्स देशों की प्रगति अच्छी

रिपोर्ट के अनुसार सतत विकास लक्ष्यों(एसडीजी) की प्रगति गति देश के समूहों के हिसाब से अलग-अलग है। पिछले वर्षो की तरह, यूरोपीय देश 2024 एसडीजी सूचकांक में शीर्ष पर हैं। फिनलैंड पहले स्थान पर है, उसके बाद स्वीडन, डेनमार्क का स्थान है। जर्मनी चौथे और फ्रांस पांचवें स्थान पर है। फिर भी इन देशों को एसडीजी को पूरा करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। 2015 से ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) तथा मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात औसत प्रगति दुनिया के औसत से आगे निकल गई है।

कई देश 2015 में तय लक्ष्य हासिल करने से दूर

दुनिया 2015 में तय किए गए ज्यादातर सतत विकास लक्ष्यों, जैसे कि गरीबी और भूख से निपटना इत्यादि से बहुत दूर है। फंडिंग की कमी, भू-राजनीतिक तनाव और कोविड-19 महामारी को इसकी प्रमुख वजह बताया गया है। इसमें पाया गया कि 17 में से कोई भी लक्ष्य 2030 तक पूरा होने की दिशा में नहीं है।

सतत विकास सूचकांक में भारत का स्कोर

वर्ष	ओवरऑल स्कोर
2019	61.57
2020	62.28
2021	62.86
2022	63.57
2023	63.99
2024	64

(नोट :अगर किसी देश का स्कोर 100 है तो इसका अर्थ है कि उसने सभी सतत विकास लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। भारत का स्कोर 64 है)